Dainik Bhaskar (Indore), 19th August 2025, Page – 03

आईआईटी इंदौर और एसएफआरआई में एमओयू हुआ

टेक्नोलॉजी व एआई से मानव व वन्य जीवों का संघर्ष कम करने पर होगा काम

इंदौर | वन्यजीव संरक्षण और सतत वन प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर और राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआई), जबलपुर के बीच सोमवार को एमओयू हुआ। इसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीकों की मदद से मानव और वन्यजीवों के बीच होने वाले संघर्ष को कम करना है।

समझौते के तहत दोनों संस्थान उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देंगे, जहां रेलवे लाइन विस्तार और अन्य बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं से वन्यजीवों का वास प्रभावित हो रहा है। तकनीक आधारित समाधान से वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मानव-वन संघर्ष नियंत्रित करने की योजना है। समारोह में एसएफआरआई के निदेशक प्रदीप वासुदेव और वैज्ञानिक डॉ. अनिरुद्ध मजूमदार उपस्थित रहे।

वहीं आईआईटी इंदौर की ओर से निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी, अनुसंधान एवं विकास के डीन प्रो. अभिरूप दत्ता और खगोल विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. सौरभ दास मौजूद थे। इस मौके पर प्रो. जोशी ने कहा कि बढ़ते मानवीय दबाव और विकास परियोजनाओं से वन्यजीवों को गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। ऐसे में आधुनिक तकनीक और अनुसंधान की मदद से समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।